APPENDIX G

INFORMATION SCHEDULE

Name ______________________________ Sex ________________

Class ______________________________ Age ________________

Name of Institution____

Educational Qualification__________________________________

Teaching Experience____

16 PF

The PSYCHO CENTRE

FORM B
(IPAT's 1967 Edition)

VSJ 1970 Hindi Edition

Prepared by : S. D. KAPOOR, Ph.D.

आपको क्या करना है : इस पुस्तिका में कुछ प्रश्न हैं जिनसे यह पता चलेगा कि आपका मनोभाव कैसा है और आपकी पसन्द किस तरह की है। इनके कोई 'सही' या 'गलत' उत्तर नहीं हैं, क्योंकि हर आदमी को अपना-अपना दृष्टिकोण रखने का अधिकार है। इस जाँच के जरिये सब से अच्छा सुझाव पाने के लिये आपको चाहिये कि सभी प्रश्नों का उत्तर ठीक-ठीक और सच्चाई के साथ दें। अगर आपको अलग से एक "उत्तर-पत्र" नहीं दिया गया हो तो इस पुस्तिका को उलटिये और आखिरी पन्ने पर दिये गये "उत्तर-पत्र" को फाड़ कर अलग कर लीजिये।

अपना नाम और अन्य जानकारी की बातें "उत्तर-पत्र" पर दी हुई ऊपर की लाइनों पर लिख दीजियें।

सबसे पहले आपको नीचे लिखे नमूने के चार प्रश्नों का उत्तर देना चाहिये जिससे आपको पता लग जाय कि जांच शुरु करने के पहले आपको कुछ पूछना तो नहीं है। वैसे आपको सभी प्रश्नों को तो इस पुस्तिका से पढ़ना है, पर उनके उत्तर केवल "उत्तर-पत्र" में ही देना है (जिस नम्बर का प्रश्न पुस्तिका में हो उसी नम्बर के खाने में "उत्तर-पत्र" पर निशान लगाना है)।

हर एक प्रश्न के तीन संभावित उत्तर दिये हुए हैं। नीचे लिखे उदाहरणों को पढ़िये और अपने उत्तरों को "उत्तर-पत्र" के ऊपरी भाग पर, जहां "उदाहरण" छपा है, गुणा या क्रास (×) के निशान के जरिये किसी एक खाने (box) में भरते जाइये। अगर आप अपना उत्तर "a" वाले उत्तर के लिये चुनते हैं तो बाएं वाले खाने में (box के अन्दर) निशान लगाइये। अगर आपका उत्तर "b" वाला है तो बीच वाले खाने में निशान लगाइये। इसी तरह से अगर आपका उत्तर "c" वाला है तो दाहिने वाले खाने के अन्दर निशान लगा दीजिये।

उदाहरण :

1. मैं टीम वाले खेलों को देखना पसन्द करता हूं।
   a. हां, **b.** कभी-कभी, **c.** नहीं।
2. मैं ऐसे लोगों को पसन्द करता हूं, जो :
   a. गंभीर हों,
   b. दोनों के बीच के हों,
   c. जल्दी दोस्त बना लेते हों।
3. रुपया आनन्द (खुशी) नहीं ला सकता।
   a. हां (सच), **b.** दोनों के बीच का, **c.** नहीं (गलत)।
4. औरत का बच्चे से वही सम्बन्ध है जो भेड़ का :
   a. मेमना, **b.** कुत्ता, **c.** लड़के से है।

आखिरी उदाहरण में एक सही उत्तर है—मेमना। लेकिन, इस तरह के तर्क वाले प्रश्न इस पुस्तिका में बहुत कम है।

अब अगर कोई बात आपकी समझ में नहीं आयी हो तो अभी पूछ लीजिये। क्योंकि, परीक्षक अब थोड़ी ही देर में आपको पन्ना उलटने के लिए और उत्तर देना शुरु करने के लिये कहेंगे।

प्रश्नों का उत्तर देते समय नीचे लिखी इन चार बातों को अपने मन में रखें :

1. आपको किसी प्रश्न पर ज्यादा सोच-विचार करने की जरूरत नहीं है। **जो सबसे पहला उत्तर मन में आये उसमें ही निशान लगा दें।** यह सच है कि प्रश्न बहुत छोटे हैं और आपको उनसे सारी जानकारी नहीं मिल सकती जिन्हें आप कभी-कभी जानना चाहेंगे। उदाहरण के लिये, ऊपर के पहले प्रश्न में "टीम वाले खेलों" के बारे में पूछा गया है, जबकि ऐसा भी हो सकता है कि आप फुटबाल को बास्केटबाल से ज्यादा पसन्द करते हों। लेकिन आपको "औसत या आमतौर के खेल के लिये" उत्तर देना है या उसी तरह की मिलती-जुलती एक आम या औसत अवस्था का ख्याल करके उत्तर देना है। जहां तक हो सके, आप अपना सब से ठीक उत्तर दें। उत्तर देने की रफ्तार एक मिनट में पाँच या छै प्रश्नों से कम नहीं होनी चाहिये। ज्यादा से ज्यादा चालिस मिनट में सभी प्रश्नों का उत्तर आपको दे देना चाहिये।
2. बीच वाले "अनिश्चित" उत्तरों का सहारा लेने की कोशिश मत करिये। इन पर तभी निशान लगायें जब किनारे वाले उत्तरों को देना आपके लिये सचमुच ही असंभव हो—शायद ऐसा चार या पांच प्रश्नों में एक बार हो।
3. इस बात का पक्का ख्याल रखें कि कोई प्रश्न छूटने न पाये, और जैसे भी हो सभी प्रश्नों का उत्तर दें। ऐसा लग सकता है कि कुछ प्रश्न आप पर अच्छी तरह लागू न होते हों, पर आप अपने को उस परिस्थिति में डाल कर अपना उत्तर दें। आपको कुछ प्रश्न अपने निजी मामलों से भी सम्बन्धित लगेंगे, पर याद रखिये कि आपके उत्तर-पत्रों को बिल्कुल गुप्त रखा जाता है और उनको खास तौर से बनाई हुई कुंजियों की मदद के बगैर नही जाना जा सकता। साथ ही एक-एक प्रश्न के उत्तर की जांच अलग-अलग नहीं की जाती है। इसलिए आप बेझिझक अपने मन का उत्तर दें।
4. जो उत्तर आपके लिये सही हैं वही उत्तर सच्चाई और ईमानदारी से दें। परीक्षक पर अच्छा प्रभाव डालने के लिये "यह कहना ठीक होगा" ऐसा सोचकर निशान न लगायें।

जब तक कहा न जाय कृपया पन्ना मत उलटिये

Copyright © 1964, 1970, by The Psycho-Centre, T-22, Green Park, New Delhi, India. and also, 1956, 1962, 1967, by The Institute for Personality & Ability Testing, 1602-04 Coronado Drive, Champaign, Illinois, U.S.A. All rights reserved. International Copyright in all countries under the Berne Union, Buenos Aires, and Universal Copyright Conventions, and all Bilateral Copyright Agreements. Printed in India.

1. इस जाँच के नियम मुझे अच्छी तरह मालूम हैं ।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

2. इन प्रश्नों के उत्तर मैं सच्चाई से देने के लिये तैयार हूँ ।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

3. छुट्टियाँ बिताने के लिये मैं ऐसी जगह जाऊँगा, जो :
a. छुट्टी बिताने लायक एक चहल-पहल वाला शहर हो,
b. a और c के बीच की जगह हो,
c. आम रास्ते से दूर एक शान्त छोटा सा मकान हो ।

4. जब मैं किसी छोटी और चारो ओर से घिरी जगह (जैसे-भीड़ से भरी एक लिफ्ट) में रहता हूँ, तो मुझे घबराहट होती है और लगता है जैसे इसी में बन्द हो जाऊँगा ।
a. कभी नहीं, b. शायद ही कभी, c. कभी-कभी ।

5. मैं अपने को छोटी-छोटी परेशानियों पर बार-बार सोचते हुए पाता हूँ और उन्हें मन से निकालने के लिये मुझे सचमुच ही बहुत कोशिश करनी पड़ती है ।
a. हाँ (सही),
b. कभी-कभी,
c. नहीं (गलत) ।

6. अगर मुझे मालूम है कि दूसरा आदमी गलत ढंग पर तर्क कर रहा है, तो मैं :
a. चुपचाप रहूँगा,
b. दोनों के बीच का,
c. कह दूँगा कि वह गलत है ।

7. मेरे विचार इस तरह लगते हैं, जैसे :
a. जमाने से आगे हों,
b. अनिश्चित,
c. जमाने के साथ-साथ हों ।

8. मखौल-उड़ाने और हँसी-मजाक वाली कहानियाँ कहने में मैं ज्यादा नहीं रहता ।
a. सही, b. दोनों के बीच का, c. गलत ।

9. समाज की अच्छी सेवा करने में अपना जीवन खपा देने के बजाय काफी बुढ़ापे तक जिन्दा रहना ज्यादा अच्छा है ।
a. सही, b. दोनों के बीच का, c. गलत ।

10. मैं क्लब, टीम तथा अन्य सामाजिक समूहों (groups) को संगठित करने में सक्रिय (चुस्त) रहा हूँ ।
a. हाँ, अक्सर, b. कभी-कभी, c. कभी नहीं ।

11. मैं अपने को भावुक होने से नहीं रोक पाता ।
a. शायद ही कभी, b. कभी-कभी, c. अक्सर ।

12. ज्यादातर मैं इस विषय पर एक किताब पढ़ना चाहूँगा :
a. महान धार्मिक उपदेशों पर,
b. अनिश्चित,
c. अपने राष्ट्रीय राजनैतिक संगठन पर ।

13. ऐसी बहुत कम बातें हैं जो मुझे 'लग जाती हैं' या जो मुझे आसानी से खिन्न कर देती हैं ।
a. सही, b. अनिश्चित, c. गलत ।

14. माँ-बाप से मिली जन्म-जात योग्यताओं और गुणों का महत्व उससे कहीं ज्यादा है, जितना कि कुछ लोग उसे मानने के लिये तैयार हैं ।
a. सही, b. दोनों के बीच का, c. गलत ।

15. मैं सोचता हूँ कि रोज़-मर्रा के कामों को हमेशा पूरा करना ही चाहिये, चाहे थोड़ा सोचने से ऐसा लगे भी कि ऐसा करना आवश्यक नहीं है ।
a. सही, b. अनिश्चित, c. गलत ।

16. मौत के बारे में हँसी-मजाक ठीक ही है और आम तौर से पसन्द भी किया जाता है ।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं ।

17. मैं चाहता हूँ कि अपने-आप पता लगाने के बजाय मुझे कामों को करने का सबसे अच्छा तरीका बता दिया जाये ।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

18. सामाजिक समूहों (ग्रुप) के बीच होने पर भी, कभी-कभी अकेलेपन और बेकारी की भावना मुझ पर हावी हो जाती है ।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं ।

19. मेरी स्मृति (याददाश्त) रोज-रोज बहुत घटती-बढ़ती नहीं है ।
a. सही, b. कभी-कभी, c. गलत ।

20. रेस्तराँ (या होटल) में खराब खाना परोसे जाने पर, मैं मैनेजर से शिकायत करने में विश्वास रखता हूँ ।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

21. मन बहलाने के लिये मुझे यह पसन्द है :
a. खेलकूद,
b. अनिश्चित,
c. वाद-विवाद और दिमागी खेल ।

22. दूसरे लोगों के मुकाबले में, मैंने :
a. बहुत से सामाजिक कार्यों में भाग लिया है,
b. कई एक में,
c. बहुत ही कम सामाजिक कार्यों में भाग लिया है ।

23. जब मैं कोई योजना बनाता हूँ, तो मैं अक्सर बहुत सी बातों को संयोग (चान्स) पर छोड़ देता हूँ ।
a. सही, b. अनिश्चित, c. गलत ।

24. किसी जगह जाने, खाने, काम करने आदि में, मैं :
a. एक चीज को छोड़ दूसरी की ओर भागते दीखता हूँ,
b. दोनों के बीच का,
c. सोच-विचार कर, नियम के मुताबिक चलता हूँ ।

25. मैं अपने को बेचैन महसूस करता हूँ जैसे कि मुझे कुछ चाहिये पर क्या चाहिये, यह नहीं जानता ।
a. शायद ही कभी, b. कभी-कभी, c. अक्सर ।

(उत्तर-पत्र के कालम 1 का अन्त)

26. किसी कारखाने में मुझे इस तरह का अधिकारी बनना ज्यादा पसन्द होगा :
a. मशीन सम्बन्धी काम का,
b. अनिश्चित,
c. लोगों का साक्षात्कार (इन्टरव्यू) कर उन्हें भरती करने का।

27. मैं इस विषय पर किताब पढ़ना ज्यादा पसन्द करूँगा :
a. अन्तरिक्ष यात्रा,
b. अनिश्चित,
c. परिवार में शिक्षा।

28. इनमें से कौन सा शब्द बाकी दो से अलग है ?
a. कुत्ता, b. चिड़िया, c. गाय।

29. अगर मुझे फिर से ज़िन्दगी जीने को मिल जाय, तब मैं :
a. उसको नए ढंग से बिताने की योजना बनाऊँगा,
b. अनिश्चित,
c. उसको जैसी है करीब-करीब वैसा ही रखना चाहूँगा।

30. अपने जीवन और कामों के बारे में निश्चय लेने में, मुझे अपने परिवार की ओर से आपसी मतभेद आदि के कारण कभी भी परेशानी नहीं उठानी पड़ी है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

31. दूसरों को लज्जित करने वाली बातों को कहने से मैं बचना पसन्द करता हूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

32. अगर मेरे हाथ में एक बन्दूक हो जिसे मैं जानता हूँ कि इसमें गोली भरी हुई है तो मैं तब तक घबराता रहता हूं, जब तक कि बन्दूक खाली न कर लूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

33. बिना किसी दुर्भावना के व्यावहारिक मजाक करने में मुझे बहुत मज़ा आता है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

34. लोग अपने खाली समय को पड़ोसियों के प्रति कर्त्तव्य निभाने और उनकी सहायता करने में बहुत ज्यादा लगा देते हैं।
a. हाँ, b. अनिश्चत, c. नहीं।

35. कभी-कभी मुझे लगता है कि सामाजिक तौर पर मुझे जितना अच्छा करना चाहिये उतना अच्छा नहीं कर पाता क्योंकि मैं खुद अपने बारे में अनिश्चित सा हूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

36. मुझे बात-चीत करने में मज़ा आता है और अनजाने लोगों से बात करने के किसी भी मौके को शायद ही हाथ से निकलने देता हूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

37. अख़बारों में इस तरह के शीर्षक (हेड लाइन) में मैं ज्यादा दिलचस्पी लूँगा :
a. धार्मिक नेताओं द्वारा सभी धर्मों के मेल-जोलपर चर्चा,
b. अनिश्चित,
c. उत्पादन और सौदे (व्यापार) में बढ़ोतरी।

38. आशा से अधिक दोस्ती दिखाने वालों की सच्चाई पर मुझे शक होता है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

39. दूसरों के लिए मेरी नसीहत है कि :
a. आगे बढ़ो और कोशिश करो; इसमें नुकसान नहीं होगा!
b. दोनों के बीच का,
c. इसके ऊपर पहले सोच लो; अपने बुद्धू न बनने दो!

40. मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है :
a. अपने विचारों को स्वतंत्रता पूर्वक जाहिर करना,
b. दोनों के बीच का,
c. दूसरे लोगों से अच्छे सम्बन्ध बनाये रखना।

41. मुझे ख्याली पुलाव (हवाई महल) बनाने में मज़ा आता है।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं।

42. मैं एक ऐसा काम पसन्द करूँगा जिसमें मुझे बहुत ही सूक्ष्म निर्णय लेने हों बजाय इसके कि इसमें जल्दी का और रोज़ मर्रा का हल मौजूद हो।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

43. मुझे ऐसा लगता है कि मेरे दोस्तों को मेरी उतनी जरूरत नहीं है, जितनी कि मुझे उनकी है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

44. अगर कोई मेरे बारे में बहुत बुरा सोचता है तो मुझे इसकी चिन्ता होती है।
a. शायद ही कभी,
b. कभी-कभी,
c कई बार।

45. मेरे साथ कई दुर्घटनाएँ (एक्सीडेन्ट) हुई है, क्योंकि मै अपने ख्यालों में डूबा हुआ था।
a. शायद ही कभी,
b. दोनों के बीच का,
c. कई बार।

46. अपने अखबार में, मै यह देखना पसन्द करता हूँ :
a. आधुनिक दुनिया में बुनियादी सामाजिक समस्याओं पर चर्चा,
b. दोनों के बीच का,
c सभी स्थानीय समाचारों का छपना।

47. साथियों के बजाय किताबों को मैं ज्यादा मन बहलाने वाला पाता हूँ।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

48. बाधायें चाहे कितनी भी कठिन और दु:खदायी क्यों न हों, मैं अपने मूल उद्देश्यो को बनाये रखता हूँ और उन पर डटा रहता हूँ।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

49. मैं इतना ज्यादा परेशान रहता हूँ कि कुछ मामूली आवाज़ें, जैसे दरवाजों की चरमराहट, मेरी बर्दाश्त के बाहर होती हैं और मुझे कंपा देती हैं।
a. शायद ही कभी,
b. कभी-कभी,
c. कभी नहीं।

50. सबेरे सोकर उठने पर मैं अपने को काफी थका हुआ महसूस करता हूँ।
a हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

(उत्तर-पत्र के कालम 2 का अन्त)

51. तनख्वाह बराबर हो तो मैं यह बनना ज्यादा पसन्द करूंगा :
a. शोध कार्य (रिसर्च) करने वाला रसायन शास्त्री (कैमिस्ट),
b. अनिश्चित,
c. एक होटल का मैनेजर।

52. जगह जगह जाकर माल बेचना या किसी काम के लिए चन्दा इकट्ठा करने का काम, मैं सोचता हूँ कि मेरे लिए :
a. काफी मजेदार होगा,
b. दोनों के बीच का,
c. बेमजा होगा।

53. नीचे लिखी संख्याओं में से कौन सी एक बाकी से भिन्न है ?
a. 7, b. 9, c. 13.

54. 'कुत्ते' का 'हड्डी' के साथ जो सम्बन्ध है वही 'गाय' का नीचे लिखे शब्दों में से किसके साथ है ?
a. दूध, b. घास, c. नमक।

55. मौसम का परिवर्तन मेरी कार्यक्षमता और मनोदशा (मूड) को अक्सर प्रभावित नहीं करता।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

56 किसी अनजाने शहर में मैं :
a. जहाँ चाहूँगा; वहीं घूमूंगा,
b. अनिश्चित,
c. शहर के उन हिस्सों से बचूंगा जो खतरनाक समझे जाते हैं।

57. मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है :
a. लोगों के साथ सुगमतापूर्वक घुलना मिलना,
b. दोनों के बीच का,
c. अपने विचारों को व्यवहार में बदलना।

58. मैं इसमें विश्वास करता हूँ :
a. इस कहावत पर, अधिकतर मौकों पर 'हँसो और खुश रहो',
b. दोनों के बीच में,
c. दैनिक व्यवहार में काफी गम्भीर रहो।

59. जब मुझे निश्चित कायदे कानून पालन करने के लिए दिए जाते हैं तब मैं उनका पालन अपनी सुविधा के अनुसार करता हूँ न कि अक्षरशः।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

60. अपने सामाजिक सम्बन्धों में कभी कभी हीनता की भावना से परेशान हो जाता हूँ। हालाँकि इसका असली कारण मुझे मालूम नहीं है।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

61. लोगों के बीच में अपने को थोड़ा बेतुका अनुभव करता हूँ और अपने को उतना अच्छा नहीं दिखा पाता जितना कि चाहिये।
a. हां, b. कभी कभी, c. नहीं।

62. मैं चाहूँगा कि :
a. अपने मातहत बहुत से लोगों के साथ काम करूं,
b. अनिश्चित,
c. सब लोगों के साथ मिल कर काम करूं।

63. यहाँ तक कि जब दोष दूसरे के माथे मढ़ा जा सकता है फिर भी अधिकतर लोग अपनी गलती कबूल कर लेने में नहीं हिचकते।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c गलत है।

64. वास्तव में कोई भी मुझे कठिनाई में नहीं देखना चाहेगा।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

65. एक आदमी के लिए इससे लगाव रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है :
a. जीवन के बुनियादी अर्थ से,
b. अनिश्चित,
c. अपने परिवार के लिए अच्छी आमदनी से।

66. खुली हवा से दूर, घर में ज्यादा देर तक रहने पर मुझे अकुलाहट (ऊब) महसूस होने लगती है।
a. हमेशा, b. कभी कभी, c. शायद ही कभी।

67. तरह-तरह की चीजों के बारे में मेरे मन में अजीब अजीब ख्याल आते हैं - इतने ज्यादा कि उन्हे व्यवहार मे नहीं लाया जा सकता।
a. सच है, b. कभी कभी, c. गलत है।

68. चांहे जैसी कठिनाइयां मेरे सामने आयें, मेरा हौंसला काफी ऊँचा रहता है।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

69. किसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में चिन्ता करने की वजह से रात में मुझे नींद लगने मे कठिनाई होती है।
a. अक्सर, b. कभी कभी, c. शायद ही कभी।

70. ज्यादातर मैं देखना चाहूँगा :
a. आने वाले समाज के नक्शे को दिखाने वाली काल्पनिक फिल्म,
b. दोनों के बीच का,
c. जागरण के दिनों को दिखाने वाली यथार्थ वादी फिल्म।

71. शायद मेरे दोस्त यह सोचते हैं कि मुझे अच्छी तरह जानना मुश्किल है।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

72. किसी समस्या को मैं इस तरह से ज्यादा अच्छी तरह सुलझा पाता हूँ :
a. अकेले उसका अध्ययन करके,
b. दोनों के बीच में,
c. दूसरों के साथ उस पर चर्चा करके।

73. जब तुरन्त ही निर्णय करना जरूरी हो तो; मैं :
a. शान्त, तर्क-पूर्ण और वस्तुगत चिन्तन पर भरोसा रखता हूँ,
b. दोनों के बीच में,
c. तनावपूर्ण और उत्तेजित होकर ठीक ठीक सोचने में असमर्थ हो जाता हूँ।

74. कभी-कभी मुझे लगता है कि मेरे मन में बिल्कुल बेकार विचार और यादें चक्कर लगाती रहती हैं।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

75. बहस (विवाद) करते समय मै कभी भी इतना नही झुंझलाता हूँ कि अपनी आवाज पर भी काबू न रख पाऊँ।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

(उत्तर पत्र के कालम 3 का अन्त)

76. यात्रा करते समय लोगों से बातचीत करने की जगह मै ज्यादातर प्राकृतिक दृश्यों (सीनरी) को देखूंगा।
a. सही, b. अनिश्चित, c. गलत।

77. अगर 'दिखाना' का उल्टा पूछा जाये तो कौनसा शब्द ज्यादा ठीक रहेगा ?
a. खोना, b. अनिश्चित, c. छिपाना।

78. 'काला' का जो सम्बन्ध 'मटमैला के साथ है वही 'पीडा' का :
a. मोच, b. कसक, c. खुजली के साथ है।

79. मेरे लिए किसी से 'नही' सुनना कठिन है हालांकि मैं जानता हूँ कि जिस काम के लिए कह रहा हूँ वह असम्भव है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

80. लोग क्या कहते हैं इसकी तुलना में लोग किस ढंग से बात को कहते हैं मुझे ज्यादा चोट पहुँचाती है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

81. नौकर चाकर मेरी सेवा में खड़े रहें इससे मुझे घबराहट होती है।
a. हां, b. दोनों के बीच में, c. नहीं।

82. जब दोस्त किसी मजेदार बातचीत मे उलझे रहते हैं, तब मैं :
a. कभी कभी एक सयाने सुनने वाले की तरह रहना पसन्द करता हूँ,
b. दोनों के बीच में,
c. और लोगों से ज्यादा फब्तियां कसता हूँ।

83. मैं खूब सनसनी और चहलपहल के बीच रहना चाहता हूँ।
a. हां, b. दोनों के बीच में, c. नहीं।

84. किसी धन्धे में खूब बढ़िया काम करने की जगह सही लोगों में मशहूर होना अधिक महत्वपूर्ण है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

85. अगर गली या दुकान में लोग मुझे गौर से देखते हैं तो मुझे थोड़ी घबराहट लगती है।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

86. मैं अपने विचारों को शब्दों में हमेशा ठीक से प्रकट नहीं कर पाता हूँ, इसलिए और लोग जितनी जल्दी दूसरों से बातचीत करने में लग जाते हैं ; मैं नहीं लग पाता।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

87. मैं हमेशा मशीन सम्बन्धी बातें पसन्द करता हूँ: जैसे मोटर कार और हवाई जहाज के बारे में बातें करना।
a. हां, b. दोनों के बीच की, c. नहीं।

88. मुख्यतः पकड़े जाने की वजह से ज्यादातर लोग बेईमानी और अपराध नही करते।
a. हां, b. दोनों के बीच की, c. नहीं।

89. सचमुच ही दुनिया में खराब लोगों की तुलना में अच्छे लोग ज्यादा हैं।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

90. लापरवाह लोग जो यह कहते हैं "दुनिया की सबसे अच्छी चीजें स्वतन्त्र हैं" अक्सर उन्होने ज्यादा पाने के लिए कुछ नहीं किया है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

91. किसी कमेटी की मीटिंग में अगर लोग मुख्य बात को छोड़कर फालतू बातें करते हैं : तब मै :
a. उनसे कहता हूँ कि मुख्य विषय पर आयें,
b. अनिश्चित,
c. वही करता हूँ जो मेल जोल बनाने के लिये व्यावहारिक हो।

92. एक आदमी जिसकी महत्वाकांक्षा उसके गहरे दोस्त को चोट और नुकसान पहुंचाती हो तो भी उसको एक साधारण और अच्छा नागरिक समझा जायगा।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

93. जब एक के बाद एक छोटी चीजें गड़बड़ होने लगती हैं तब मैं :
a. रोज की तरह ही रहता हूँ,
b. दोनों के बीच में,
c. इससे घबरा जाता हूँ।

94. छोटी छोटी बातों पर भी मैं दोष, कुसूर, अपराध, या पछतावा महसूस करता हूँ।
a. हां, अक्सर, b. कभी कभी, c. नहीं।

95. यह ज्यादा अच्छा होता कि सभी लोग सार्वजनिक पूजा में भाग लेते।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

96. टोली (social outings) में सैर सपाटे की योजना बनाने में :
a. पूरा सहयोग देने का वचन देने में मुझे खुशी होती है,
b. दोनों के बीच में,
c. अपना जाना रद्द (कैन्सिल) कर सकूँगा। इसका अधिकार अपने हाथ में रखता हूँ।

97. जब बहुत से लोगों को किसी से बातचीत करने की जरूरत होती है तब लोग मुझसे अपनी समस्याओ पर बातचीत करते हैं और सुझाव माँगते हैं।
a. हां, b. दोनों के बीच में, c. नहीं।

98. जब मेरे दोस्त उस काम से मुझे अलग छोड देते हैं जिसे वे कर रहे हों, तब मैं :
a. हँगामा मचाता हूँ,
b. दोनों के बीच में,
c. इसके लिए उनके पास कोई कारण होगा, यह सोच कर चुप हो जाता हूँ।

99. कुछ मनोदशाओं में, बाधाओं और फालतू ख्यालों से, मेरा मन काम करने से आसानी से उचट जाता है।
a. हां, b दोनों के बीच में, c. नहीं।

100. तुरन्त ही मिले लोगों के बारे में मै अपनी पसन्दगी और नापसन्दगी तुरन्त ही नहीं बना लेता।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

(उत्तर-पत्र के कालम 4 का अन्त)

101. मुझे यह बनने में ज्यादा आनन्द आयेगा :
a. एक व्यापारी संस्था का मैनेजर,
b. अनिश्चित,
c. एक वस्तु कला-विशेषज्ञ (आर्कीटेक्ट)।

102. 'अप्रैल' का जो सम्बन्ध मार्च के साथ है वही सम्बन्ध 'मंगलवार' का :
a. बुधवार, b. शुक्रवार, c. सोमवार के साथ है।

103. इनमें से कौन सा शब्द बाकी दो से भिन्न है ?
a. चालाक, b. सुन्दर, c. दयालु।

104. जिससे मुझे मिलने की इच्छा नहीं होती उसे सड़क पर आता देखकर मै रास्ता बदल देता हूँ या कन्नी काट जाता हूँ।
a. कभी नहीं, b, शायद ही कभी, c कभी कभी।

105. किसी एक सामान्य (साधारण) दिन में, ऐसी समस्याओं की संख्या जिन्हें मैं हल नहीं कर सकता हूँ :
a. मुश्किल से एकआध होती है,
b. दोनों के बीच में,
c. आधे दर्जन से भी ज्यादा होती है।

106. अपने से बड़ों के विचारों से जब मेरे विचार नहीं मिलते हैं ; तब :
a. मैं अपने विचारों को अपने तक ही सीमित रखता हूँ,
b. अनिश्चित,
c. उन्हें बता देता हूँ कि मेरे विचार उनसे नहीं मिलते हैं।

107. विपरीत लिंग (अपोजिट सैक्स) के लोगों से बातचीत करते समय मैं शरमा देने वाले विषयों पर बात करने से बचता हूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

108. लोगों से मेलजोल और सम्बन्ध बनाये रखने में मैं सचमुच ही सफल नहीं हूँ।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

109. मुझे अपना सबसे अच्छा समय और शक्ति इसमें लगाने में मज़ा आता है।
a. अपने घर और अपने दोस्तों की सच्ची आवश्यकता में,
b. दोनों के बीच में,
c. सामाजिक कार्यों और व्यक्तिगत मन बहलाव में।

110. जब मैं अपने व्यक्तित्व से दूसरों पर अच्छा रंग जमाना चाहता हूँ, तब इसमें :
a करीब करीब हमेशा सफल होता हूँ,
b. कभी कभी सफल होता हूँ,
c. अक्सर अपनी सफलता पर अनिश्चित रहता हूँ।

111. मैं यह रखना ज्यादा पसन्द करूँगा :
a. काफी ज्यादा लोगों से जान पहचान,
b. अनिश्चित,
c. कुछ थोड़े से ही अच्छी तरह आजमाये हुए दोस्त, मित्र।

112. एक मैकेनिकल इन्जीनियर बनने के बजाय एक दार्शनिक (फिलॉस्फर) होना अधिक रुचिकर होगा।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

113. मुझ में दूसरों के काम की आलोचना करने का झुकाव (आदत) है।
a. हां, b. कभी कभी, c. नहीं।

114. मुझे ऐसी योजना बनाने में मज़ा आता है जिससे मेरे साथी आगे चलकर मुझे लक्ष्य (गोल) तक पहुँचने में मदद देंगे।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

115. मै सोचता हूँ कि अपने चारों ओर के कलात्मक गुणों के प्रति मैं दूसरे लोगों की तुलना में ज्यादा सम्वेदनशील हूँ।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

116. मेरे साथी सोचते हैं कि मै थोड़ा खोया खोया रहता हूँ और अव्यावहारिक आदमी हूँ।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

117. जान पहचान के लोगों के साथ, मै पसन्द करता हूँ कि :
a. बस काम चलाऊ सम्बन्ध रखूँ,
b. दोनों के बीच में,
c. उनसे लोगों और उनके विचारों के बारे में बातचीत करूँ।

118. कभी कभी मैं इतना खुश हो जाता हूँ कि मुझे डर लगने लगता है कि अब यह खुशी ज्यादा देर तक टिकेगी नहीं।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

119. कभी कभी ऐसे अवसर आते हैं जब मैं बिना किसी समुचित कारण के अपने को हतोत्साहित, दुःखी, और पस्त (दबा हुआ) महसूस करता हूँ।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

120. मेरे काम में उन लोगों से ज्यादा परेशानी पैदा होती है जो :
a. काम के उन तरीकों को जो ठीक ठाक होते हैं फिर भी उनको लगातार बदलते रहते हैं,
b. अनिश्चित,
c. आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

121. मैं चाहता हूँ कि मेरी पहचान के लोग मुझे अपनी टोली (ग्रुप) का सदस्य समझें।
a. सच है, b. दोनों के बीच में, c. गलत है।

122. अनजाने शहर में मैं किसी जगह को ढूँढने के लिए :
a लोगों से पूछना चाहूँगा कि वह जगह कहां है,
b. दोनों के बीच का,
c. अपने साथ उस शहर का नक्शा रखूँगा।

123. कभी कभी मैं अपने दोस्तों को उत्तेजित करके घर से बाहर चलने के लिए कहता हूँ जबकि वे सचमुच ही अपने घर में रहना चाहते हैं।
a. हां, b, अनिश्चित, c. नहीं।

124. जब मुझ पर जोर दिया जाता है और ज्यादा काम कराया जाता है; तब मुझे अपच या कब्ज़ की शिकायत हो जाती है :
a. कभी कभी, b. शायद ही कभी, c. कभी नहीं।

125. अगर कोई मुझे खिन्न (रंजीदा) कर देता है तो मैं :
a. इस बात को अपने में ही रखता हूँ,
b. दोनों के बीच का,
c. किसी दूसरे से अवश्य कह देता हूँ ताकि 'मन का गुबार निकल जाये।'

(उत्तर पत्र के कालम 5 का अन्त)

126. एक किसान बनने के बजाय बीमा (इन्शोरेन्स) कम्पनी का एक एजेन्ट होना अधिक रुचिकर होगा।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

127. 'मूर्ति' का 'आकार' के साथ जो सम्बन्ध है वही सम्बन्ध 'गीत' का :
a. सौन्दर्य, b. संगीत ध्वनि, c. धुन के साथ है।

128. इनमें से कौनसा शब्द बाकी दो से भिन्न है :
a. गुनगुनाहट, b. बोली, c. सीटी।

129. आधुनिक जीवन में बहुत सी खिजाने वाली बाधायें और निराशायें हैं।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

130. मैं खुद को जिन्दगी और उसकी मांगों को पूरा करने के लिए तैयार पाता हूं।
a. हमेशा, b. कभी कभी, c. शायद ही कभी।

131. सचमुच ही मैं सोचता हूं कि बहुत से लोगों से जो मेरे समान ही सफल हैं, मैं ज्यादा योजना बनाने वाला, शक्तिशाली और महत्वाकांक्षी हूं।
a. हां, b. कभी कभी, c. नहीं।

132. करीब करीब हमेशा मुझे सनसनी या उत्तेजना की तलब होती है।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

133. मेरे लिए यह होना अधिक रुचिकर होगा :
a. एक अभिनेता,
b. अनिश्चित,
c. एक भवन या मकान बनाने वाला।

134. दो कार्यों के बीच का समय बरबाद करने के बजाय उस समय में योजना बनाना अधिक रुचिकर होगा।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

135. किसी टोली (ग्रुप) में, मैं अक्सर :
a. उन सभी चीजों से अपने को परिचित रखता हूं जो मेरे चारों ओर चलती रहती हैं,
b. दोनों के बीच में,
c. अपने ही ख्यालों में डूबा रहता हूं या तुरन्त ही जो काम मेरे सामने है उसमें लगा रहता हूं।

136. किसी नई टोली (ग्रुप) में शामिल होने पर, मैं तुरन्त ही उसमें घुलमिल जाता हूं।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

137. सिनेमा या टेलीवीजन के कुछ मजेदार और चुटीले व्यंगों में मैं बहुत मजा लेता हूं।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

138. मैं ऐसी चीजें पढ़ना पसन्द करूंगा जिनमें :
a. प्राचीन भारतीय चित्रकारी (पेन्टिंग) की खोज हो,
b. अनिश्चित,
c. भारत में कत्ले आम का विवरण हो।

139. साधारण कठिनाइयों में मैं आमतौर से आशा बांधे रहता हूं।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

140. मैं व्यवहारिक बनने और रुपये पैसे के मामले में सफल होने की जगह कलात्मक और आध्यात्मिक सत्य की खोज में लगना ज्यादा पसन्द करूंगा।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

141. मैं यह पढ़ना ज्यादा पसन्द करूंगा :
a. एक अच्छा ऐतिहासिक उपन्यास,
b. दोनों के बीच का,
c. दुनिया के साधनों को कैसे उपयोग में लायें, इस विषय पर किसी वैज्ञानिक द्वारा लिखा लेख।

142. कला, धर्म, अथवा राजनीति पर चर्चा या बहस करते समय, शायद ही कभी मै इसमें इतना लग जाता हूं और उत्तेजित हो जाता हूं कि नम्रता और आपसी सम्बन्धों को भुला देता होऊं।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

143. जब मुझे गाड़ी पकड़नी होती है तो मुझे थोड़ी हड़बड़ी, तनाव या चिन्ता होती है, यह जानते हुए भी कि मेरे पास काफी समय है।
a. हां, b. कभी कभी, c. नहीं।

144. मैं ऐसी समस्याओं को हाथ में लेना चाहता हूं जिनको दूसरे लोगों ने बिगाड़ रक्खा है।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

145. पुराने जमाने से चली आयी परम्पराओं और विश्वासों के स्थान पर समाज को तर्क पूर्ण चिन्तन के अनुसार चलना चाहिये।
a. हां, b. दोनों के बीच में, c. नहीं।

146. जब मै ऐसा काम करता हूं जो मैं चाहता हूं, तब मुझे अक्सर ऐसा लगता है कि उस काम को :
a. मेरे निकट के दोस्त ही समझते हैं,
b. दोनों के बीच का,
c. सभी लोग करते हैं और वह ठीक ही है।

147. घबरा देने वाली स्थितियों में मैं, बहुत ही ज्यादा उत्तेजित और बौखला जाता हूं।
a. हां, b. दोनों के बीच में, c. नहीं।

148. इस बात की कोशिश करता हूं कि मैं खोया-खोया सा और छोटी-छोटी बातें भूलने वाला न बनूं।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c नहीं।

149. कभी कभी किसी दुर्घटना से बाल बाल बचने पर या गरमागरम बहस होती देखकर भी मैं इतना पस्त हो जाता हूं और कांपने लगता हूं कि जो काम मैं कर रहा होता हूं उसे जारी नहीं रख पाता।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

150. मुझे लगता है मेरी भावनाएँ भीतर ही भीतर उबल रही हैं।
a. शायद ही, b. कभी कभी, c. अक्सर।

(उत्तर-पत्र के कालम 6 का अन्त)

151. मज़ेदार मन-बहलाव के लिए मैं चाहूँगा कि :
a. एक फोटोग्राफी क्लब में जाऊँ,
b. अनिश्चित,
c. एक वाद-विवाद सभा में जाऊँ।

152. 'मिलाना' का जो सम्बन्ध 'घोलना' से है वही सम्बन्ध 'टोली' का :
a. भीड़, b. सेना, c. खेल से है।

153. 'घड़ी' का जो सम्बन्ध 'समय' से है वही सम्बन्ध 'दर्जी' का :
a. नापने वाले फीते, b. कैंची, c. कपड़े, से है।

154. चालू शब्दों का बेतुका इस्तेमाल करने के कारण कुछ लोग क्या कहने की कोशिश कर रहे हैं, यह समझने में मुझे कठिनाई होती है।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

155. सरकारी वकील खास तौर से इसमें ज्यादा रुचि रखते हैं :
a. आदमी का ख्याल किये बिना उसको अपराध की सजा दिलवाने में,
b. अनिश्चित,
c. बेगुनाहों को बचाने में।

156. लोगों ने कभी-कभी मुझे घमण्डी और अड़ियल आदमी कहा है।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

157. विज्ञापन करने वालों और बिक्री बढ़ाने वालों कि जिन्दगी बिताने के मुकाबले में, अच्छी छपाई का काम करने वाले की जिन्दगी बिताना ज्यादा रुचिकर होगा।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

158. मैं ज्यादा धीरे-धीरे बोलने की कोशिश करता हूँ।
a. हाँ, b. कभी कभी, c. नहीं।

159. जब मैं कोई काम करता हूँ तो मेरा सम्बन्ध इस बात से रहता है कि :
a. यह वह काम हो जिसे मैं सचमुच करना चाहता हूँ,
b. अनिश्चित,
c. इससे मेरे किसी साथी पर बुरा असर न पड़े।

160. मैं सोचता हूँ कि सभी कहानियों और फिल्मों में कुछ सीख होनी चाहिये।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

161. अनजाने लोगों से बातचीत शुरू करना :
a. मेरे लिए काफी मुश्किल होता है,
b. दोनों के बीच का,
c. मुझे तनिक भी परेशान नहीं करता।

162. शिक्षकों, न्यायाधीशों, और 'सभ्य' लोगों के सम्मान को धक्का पहुँचाने में मुझे हमेशा मजा आता है।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

163. टेलीवीज़न या सिनेमा में, मै यह देखना ज्यादा पसन्द करूँगा :
a. किसी बहुत बड़े गायक या वाद्य कलाकार को,
b. अनिश्चित,
c. एक व्यावहारिक, नये अविष्कारों की जानकारी देने वाले प्रोग्राम को।

164. मुझे उन लोगों से चिढ़ होती है जो चारित्रिक दृष्टि से ऊँची मनोवृत्ति रखते हैं।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

165. मै अपना समय इसमें अधिक आनन्द पूर्वक बिताना चाहूँगा :
a. अपने मेल-जोल के लोगों में ताश खेलने में,
b. अनिश्चित,
c. किसी कला संग्रहालय (आर्ट गैलरी) में सुन्दर वस्तुओं को देखने में।

166. इस डर के मारे कि वे शायद अव्यावहारिक हों, कभी-कभी मैं अपने विचारों को व्यवहार में नहीं लाता।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

167. ग़ैर-वाजिब और दूर तक न सोचने वाले लोगों से भी मैं नम्रता पूर्वक और नीति से व्यवहार करता हूँ, और उन्हे यह बताने में विश्वास नही करता कि वे कितनी संकीर्ण बुद्धि वाले (ओछे) हैं।
a. सच है, b. दोनों के बीच का, c. गलत है।

168. एक शान्त गाँव में रहने के बजाय मै एक नये और बढ़ रहे शहर में रहना ज्यादा पसन्द करूँगा।
a. सच है, b. अनिश्चित, c. गलत है।

169. जब मेरे विचार किसी सामाजिक मसलों पर नहीं मिलते तब मैं चाहता हूँ कि :
a. बुनियादी तौर पर पता लगाया जाये कि हमारे मतभेद का असली मतलब क्या है,
b. अनिश्चित,
c. व्यावहारिक हल निकल आये जो दोनों पार्टियों को सन्तुष्ट कर सके।

170. पुराने जमाने की अच्छाइयों की बुराई करने के पहले लोगों को काफी देर तक सोच विचार कर लेना चाहिये।
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं।

171. किताबों के पढ़ने से मुझे उतने ही विचार और सूझ मिलती है जितनी कि उस विषय पर लोगों से बातचीत (चर्चा) करने से।
a. हाँ, b. दोनों के बीच का, c. नहीं।

172. कुछ लोग मेरी जिम्मेदारी निभाने की भावना की आलोचना करते हैं।
a. हाँ, b. अनिश्चित, c. नहीं।

173. मैं अपने को ऐसा समझता हूँ :
a. एक सावधान और व्यावहारिक आदमी,
b. दोनों के बीच का,
c. सपने देखने वाला।

174. कई मौक़ों पर मेरे संवेग और भावनाएँ मुझे उड़ा ले जाती हैं और मुझ पर पूरी तरह हावी हो जाती हैं।
a. सच है, b अनिश्चत, c. गलत है।

175. कभी-कभी मुझे इतना गुस्सा आता है कि मैं चाहता हूँ कि दरवाज़ों को झकझोर डालूँ और यहाँ तक कि खिड़कियों को तोड़ दूँ।
a. शायद ही कभी, b कभी-कभी,
c. अक्सर कई बार।

(उत्तर पत्र के कालम 7 का अन्त)

176. मुझे इसमें ज्यादा आनन्द आयेगा, अगर मैं :
a. बच्चों के खेल-कूद का इन्चार्ज बनूँ,
b. अनिश्चित,
c. किसी घड़ीसाज का सहायक बनूँ ।

177. "न्याय" का सबंध "कानूनों" से वैसा ही है जैसा "विचार" का :
a. शब्दों से, b. भावों से, c. सिद्धान्तों से है ।

178. नीचे लिखे शब्दों में से कौन सा एक शब्द अन्य शब्दो से अलग है ?
a. दूसरा, b. एकबार, c. अकेला ।

179. जिन्दगी बिताने के लिये, मैं यह अधिक पसंद करूंगा कि :
a. वैसी ही जिन्दगी बिताऊँ जैसी आजकल बिता रहा हूँ,
b. अनिश्चित,
c. इससे ज्यादा सुरक्षित और कम कठिनाइयों वाली आरामदायक जिन्दगी बिताऊँ ।

180. मैं तो इस बात में विश्वास रखता हूँ कि जिन्दगी में सब से जरूरी चीज यह है कि "जो मैं चाहूँ उसे ही करूँ ।"
a. हां, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

181. मेरे बोलने की आवाज :
a. काफी तेज, b. दोनों के बीच की, c. धीमी है ।

182. मुझे तो जो मन में आया उसे तुरन्त ही कर देना पसन्द है, चाहे इससे आगे चलकर मुझे दिक्कतों का सामना क्यों न करना पड़े ।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं ।

183. अगर लोग मुझे एक खुश-मिजाज और निष्पक्ष व्यक्ति कहें तो उनका कहना बिलकुल ठीक होगा ।
a. हां, b. दोनों के बीच का, c. नहीं ।

184. मुझे किसी भी तरह की अव्यवस्था (गड़बड़ी) बेहद नापसन्द है ।
a. सही, b. अनिश्चित, c. गलत ।

185. उधार की चीज़ को वापस करते या लेते वक्त, मैं हमेशा उसकी हालत को बहुत सावधानी से जाँच लेता हूँ ।
a. हां, b दोनों के बीच का, c. नहीं ।

186. सामाजिक-समूहों (groups) में, मुझे शर्म महसूस होने से बड़ी परेशानी होती है ।
a. कभी नहीं, b. कभी-कभी, c. अक्सर ।

187. मुझे यक़ीन है कि मैंने बीच मे कोई भी प्रश्न नहीं छोड़ा है और न ही किसी का ठीक-ठीक उत्तर देने में मैं असमर्थ रहा हूँ ।
a हां, b. अनिश्चित, c. नहीं ।

(परीक्षा का अन्त)

उदाहरण

The PSYCHO CENTRE

(V.S.J.)

उत्तर-पत्र

	a	b	c
1	☐	☐	☐
2	☐	☐	☐
3	☐	☐	☐
4	☐	☐	☐

ANSWER SHEET: THE 16 P. F. TEST, FORM ____ (A OR B)

NAME ______________________ (First) ______________________ (Middle) ______________________ (Last)

SEX ________ (Write M or F) AGE ________ (Nearest Year) DATE ______________ ★

FILL IN THE BOX COMPLETELY. ERASE ENTIRELY ANY ANSWER YOU WISH TO CHANGE.

(Each item has answer boxes a ☐ b ☐ c ☐)

1	26	51	76	101	126	151	176
2	27	52	77	102	127	152	177
3	28	53	78	103	128	153	178
4	29	54	79	104	129	154	179
5	30	55	80	105	130	155	180
6	31	56	81	106	131	156	181
7	32	57	82	107	132	157	182
8	33	58	83	108	133	158	183
9	34	59	84	109	134	159	184
10	35	60	85	110	135	160	185
11	36	61	86	111	136	161	186
12	37	62	87	112	137	162	187
13	38	63	88	113	138	163	END OF TEST
14	39	64	89	114	139	164	
15	40	65	90	115	140	165	
16	41	66	91	116	141	166	
17	42	67	92	117	142	167	
18	43	68	93	118	143	168	
19	44	69	94	119	144	169	
20	45	70	95	120	145	170	
21	46	71	96	121	146	171	
22	47	72	97	122	147	172	
23	48	73	98	123	148	173	
24	49	74	99	124	149	174	
25	50	75	100	125	150	175	

Do not write here

NORMS USED

- ☐ HS
- ☐ Coll
- ☐ Gen Pop
- ☐ A
- ☐ B
- ☐ A+B
- ☐ M
- ☐ F

RAW SCORE
A
B
C
E
F
G
H
I
L
M
N
O
Q_1
Q_2
Q_3
Q_4

Not for Sale or Publication

MINNESOTA TEACHER ATTITUDE INVENTORY

FORM A

Walter W. Cook
University of Minnesota

Carrol H. Leeds
Furman University

Robert Callis
University of Minnesota

निर्देश

इस सूची-पुस्तिका में शिक्षक-विद्यार्थी के परस्पर सम्बन्ध में मत जानने के लिये 150 कथन दिये हैं। यह सम्बन्ध क्या होने चाहिये, इस विषय में एक मत नहीं हैं, अत: कोई उत्तर ठीक या गलत नहीं कहा जा सकता। इन कथनों के सम्बन्ध में आपका व्यक्तिगत मत मालुम करना है। प्रत्येक कथन को पढ़िये और निश्चित करिये कि आपका उसके विषय में क्या मत है। **सभी उत्तरों को एक अलग उत्तर-पुस्तिका पर लिखना है। इस सूची-पुस्तिका पर कोई चिन्ह न लगाइये।**

यदि आप
प्रबलता से सहमत (Strongly Agree=SA) है, तो 5 को वृत से घेर दीजिये,
यदि साधारण सहमत (Agree=A) हैं, तो 4 को वृत से घेर दीजिये,
यदि अनिश्चित (Undecided=U) हैं, तो 3 को वृत से घेर दीजिये,
यदि असहमत (Disagree=D) है, 2 को वृत से घेर दीजिये।
यदि प्रबलता से असहमत (Strongly disagree=SD) है, तो 1 को वृत से घेर दीजिये।

विशिष्ट परिस्थितियों में नहीं, अपितु साधारण परिस्थितियों के विषय में सोचिये। समय की कोई सीमा नहीं है, परन्तु जितनी हो सके, शीघ्रता कीजिये। **कृपया प्रत्येक कथन का उत्तर अवश्य दीजिये :**

Translated and Adapted for Research with Permission.

Copyright 1951. All Rights Reserved.

The Psychological Corporation
304, East 45th Street, New York 17 N. Y.

1. अधिकतर बालक आज्ञाकारी होते हैं।
2. जो बालक काम में चुस्ती दिखाते हैं, वे सम्भवत: अपने को कुछ ऊँचा समझते हैं।
3. छोटी-छोटी अनुशासन की स्थितियों को कभी-कभी परिहास में बदल देना चाहिये।
4. धृष्टता की अपेक्षा भीरूता अच्छी है।
5. शिक्षण कार्य कभी भी ऊब नहीं उत्पन्न करता।
6. अधिकतर बालकों को इसका भान नहीं होता कि अध्यापक उनके लिये कितना करता है।
7. यदि शिक्षक विनोद पूर्ण परिस्थितियों में बालकों के साथ हँसता है तो कक्षा काबू से बाहर होने की सम्भावना हो जाती है।
8. बालक की संगत की अत्यधिक सावधानी से देख रेख नहीं की जा सकती।
9. बालक को अपनी रूचियों व अरूचियों को अपने तक ही रखने के लिये प्रोत्साहित करना चाहिये।
10. दूसरों के समक्ष बालक की आलोचना करना कभी-कभी उनके लिए लाभदायक होता है।
11. बालकों का आँख मीच कर आज्ञा पालन करना अनुचित है।
12. छात्रों को घर पर अधिक पढ़ना चाहिये।
13. बालक को सर्व प्रथम अध्यापक की आज्ञा का बिना किसी संकोच के पालन करना चाहिये।
14. आजकल के नवयुवकों को समझना कठिन है।
15. कक्षा में व्यवस्था रखने पर जरूरत से ज्यादा जोर दिया जाता है।
16. प्राय: बालक की असफलता में शिक्षक का दोष होता है।
17. कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं जब अध्यापक को किसी छात्र के प्रति उत्तेजित होने के लिये दोषी नहीं ठहराया जा सकता।
18. शिक्षकों को कभी बालकों के साथ लैंगिक (Sex) समस्याओं पर विचार विमर्श नहीं करना चाहिये।
19. आधुनिक स्कूल में विद्यार्थी अत्यधिक सुगमता का अनुभव करते हैं।
20. एक शिक्षक से यह आशा नहीं करनी चाहियें कि वह विद्यार्थी की समस्याओं का बोझा अपने पर लादे।
21. विद्यार्थी अपने काम करने में अध्यापक से आवश्यकता से अधिक सहायता की आशा करते हैं।
22. अध्यापक से अपना मनोरंजन का समय छोड़कर बालक के घर जाने की आशा नहीं करनी चाहिये।
23. अधिकतर बालक अपने पाठ की तैयारी के लिये पर्याप्त परिश्रम नहीं करते।
24. आजकल बालकों को अपनी इच्छानुसार चलने की जरूरत से ज्यादा स्वतंत्रता दी जाती है।
25. बालकों की आवश्यकताएें उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं जितनी प्रौढ़ों की।
26. बालक का दिये हुये निर्देशों को न समझ सकने का दोष सामान्यत: अध्यापक पर रहता है।
27. बालक को बड़ों की आज्ञा का निस्संकोच पालन करना सिखाना चाहिये।
28. शेखी बघारने वाला बालक सामान्यत: अपनी योग्यता पर जरूरत से ज्यादा विश्वास करता है।
29. बालक में ऊधम मचाने की प्रकृति स्वभाविक होती है।
30. बालक के कथन का अध्यापक को बहुत विश्वास करना चाहिये।
31. कुछ बालक जरूरत से ज्यादा प्रश्न पूछते हैं।

32. बालक को सस्वर पाठ सुनाते समय खड़ा नहीं करना चाहिये।
33. अध्यापक से बालक को सुधारने की आशा नहीं करनी चाहिये यदि उसके माता-पिता ही उसको न सुधार सकें।
34. एक शिक्षक को बालकों की उपस्थिति में किसी विषय में अपनी अज्ञानता स्वीकार नहीं करना चाहिये।
35. आधुनिक पाठशाला में अनुशासन इतना कठोर नहीं है जितना कि होना चाहिये।
36. अधिकतर बालकों में रचनात्मक कल्पना का अभाव होता है।
37. काम करने का स्तर बालक के अनुसार भिन्न-भिन्न होना चाहिये।
38. अधिकतर बालक अपना उत्तरदायित्व गम्भीरता पूर्वक लेते हैं।
39. कक्षा में उचित अनुशासन रखने के लिये अध्यापक को कठोर होना चाहिये।
40. असफलता की अपेक्षा सफलता अधिक प्रेरक है।
41. मनगढ़न्त कहानी के लिये वही दण्ड मिलना चाहिये जो झूठ बोलने के लिये।
42. छठी (छठवी) कक्षा के प्रत्येक बालक को छठी कक्षा के स्तर की योग्यता रखनी चाहिये।
43. बालक के कार्य की अन्य बालकों के कार्य से तुलना करना प्रेरणा देने की अच्छी तरकीब है।
44. बालक को दूसरी लिंग के बालकों के पीछे मतवाला होने की अपेक्षा शर्मीला होना अधिक अच्छा है।
45. दण्ड देने के लिये परीक्षा में कम अंक नहीं देने चाहिये।
46. पुराने ढंग की बेंत से पीटने की आवश्यकता आजकल अधिक है।
47. बालक को यह जानना आवश्यक है कि अध्यापक की जानकारी सर्वोच्च है।
48. कक्षा में अधिक स्वतंत्रता के कारण गड़बड़ी होती है।
49. अध्यापक से भगोड़े बालकों के प्रति सहानुभूति रखने की आशा नहीं करनी चाहिये।
50. अध्यापकों को बालकों पर जितना अधिकार वे रखते हैं, उससे कहीं अधिक रखना चाहिये।
51. अनुशासन की समस्या अध्यापक की सबसे बड़ी चिन्ता होती है।
52. निम्न स्तर प्राप्त करने वाला बालक सम्भवतः पर्याप्त परिश्रम नहीं करता अथवा अपने काम में मन नहीं लगाता।
53. बालकों को सफलता के आधार पर विभिन्न स्तरों में वर्गीकरण पर आवश्यकता से अधिक जोर दिया जाता है।
54. अधिकतर बालकों में बड़ों के प्रति साधारण नम्रता का अभाव है।
55. झगड़ालू बालक सबसे बड़ी समस्या होते है।
56. कई अवसरों पर यह आवश्यक हो जाता है कि जब शिक्षक असली दोषी को मालूम करने में असफल रहे तो सारी कक्षा परिणाम भोगे।
57. बहुत शिक्षक अपने व्यवहार में बालकों के साथ आवश्यक कठोरता नहीं बरतते।
58. बालकों से मिलना चाहिये परन्तु उनकी बात नहीं माननी चाहिये।
59. शिक्षक को सदैव कम से कम कुछ बालक तो अवश्य असफल करने चाहिये।
60. अनुशासन की समस्याओं को रोकने की अपेक्षा उन्हें ठीक करना अधिक सरल है।
61. बालक कक्षा में साधारणतः अत्यन्त मिलनसार होते हैं।

62. अधिकतर बालक आत्मनिर्भरता की स्थिति में छोड़े जाने पर साधन पूर्ण (Resourceful) बन जाते हैं।
63. आजकल बहुत-सी कक्षाओं में जरूरत से ज्यादा असंगत वार्ता होती है।
64. भगोड़ेपन का उत्तरदायित्व प्रायः पाठशाला पर होता है।
65. बालक इतने मस्त होते हैं जितना उन्हें नहीं होना चाहिये।
66. बालकों को, जो दिन-प्रति दिन अपना पाठ तैयार करके नहीं लाते, पाठ की तैयारी के लिये स्कूल के बाद रोकना चाहिये।
67. दूसरे प्रान्तों के बालक प्रायः शिक्षक के कार्य को अधिक आनन्द हीन बनाते हैं।
68. अधिकतर बालक अच्छी हिन्दी प्रयोग करना पसन्द करेंगे।
69. दण्ड के लिये अधिक पाठ कार्य देना प्रायः प्रभावपूर्ण होता है।
70. आचरण सम्बन्धी अपराधों में बेईमानी से धोखा देना गम्भीर अपराध है।
71. सीखने की प्रक्रियाओं में बालको को अधिक स्वतन्त्रता मिलनी चाहिये।
72. शिष्यों को, यदि और किसी कारण से नहीं तो केवल इसलिये ही कि वे अध्यापक हैं, शिक्षकों का सम्मान करना चाहिये।
73. उचित सामाजिक आचरण का कारण जानना बालक के लिये सदा आवश्यक नही है।
74. साधारणतः बालक इस योग्य नही होते कि वे अपने निबन्धों के विषय स्वयं चुने।
75. किसी बालक को अधिकारियों (Authority) के विरुद्ध विद्रोह नही करना चाहिये।
76. आजकल बालकों के साथ व्यवहार में अत्यधिक नम्रता बरती जाती है।
77. अनुशासन की कठिन समस्याओं का दोषी अध्यापक शायद ही होता है।
78. बालक की मन मौजें (Whims) तथा प्रवृतियाँ प्रायः ध्यान देने योग्य होती हैं।
79. बालकों को प्रायः शिक्षा सम्बन्धी बातें समझने में कठिनाई होती है।
80. बालकों का आजकल पाठशाला में आवश्यकता से अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त है।
81. सब बालकों को सात वर्ष की आयु तक पढ़ना प्रारम्भ कर देना चाहिये।
82. सब बालकों को कक्षा चढ़ा देने से उनकी योग्यता प्राप्ति का स्तर गिर जाता है।
83. बालक पर्याप्त विवेचन करने योग्य नहीं होते।
84. अध्यापक को अपने शिष्यों का अश्लील भाषा का प्रयोग करना सहन नहीं करना चाहिये।
85. दुर्व्यवहार करने वाले बालक को अपने को अपराधी और स्वय पर लज्जित अनुभव कराना चाहिये।
86. कक्षा-काल में बोलने के लिये या अपना स्थान छोड़ने के लिये बालक को सदैव अध्यापक की आज्ञा प्राप्त करनी चाहिये।
87. शिष्यों को अध्यापकों का अन्य प्रौढ पुरुषों की अपेक्षा अधिक सम्मान नहीं करना चाहिये।
88. चाक और रबड़ के टुकड़े फेंकने पर सदा कठोर दण्ड देना चाहिये।
89. सबसे अधिक पसन्द किये जाने वाले अध्यापक प्रायः अपने शिष्यों को अधिक अच्छी तरह समझते हैं।
90. अधिकतर छात्र अध्यापक के लिये समस्याओं को सुगम बनाने का प्रयत्न करते हैं।
91. अधिकतर अध्यापक पढ़ाते समय पर्याप्त व्याख्या नहीं देते।
92. आधुनिक पाठशाला के पाठ्यक्रम में की जाने वाली प्रक्रियाये पढ़ाई संबंधी प्रतिष्ठा से गिरी हुई होती हैं।

93. बालकों को कक्षा में साधारणतः दी जाने वाली स्वतन्त्रता से अधिक स्वतन्त्रता दी जानी चाहिये।
94. अधिकतर बालक अध्यापक की इच्छाओं के प्रति अनावश्यक रूप से विचार हीन होते हैं।
95. बड़े लोगों के बातें करते समय बालकों को बातें करने का अधिकार मिलने की आशा नहीं करनी चाहिए।
96. सामान्य रूप से छात्रों को नई बातें समझने में देर लगती है।
97, अपने प्रत्येक शिष्य की घरेलू अवस्थाओं को जानने का उत्तरदायित्व अध्यापकों पर है।
98. कभी-कभी बालक बहुत उबा देते हैं।
99. बालकों का लैंगिक (Sex) प्रश्न पूछने का कोई वास्ता नहीं होता।
100. बालकों को ठीक-ठीक बताना चाहिये कि उन्हें क्या करना है और कैसे करना है।
101. अधिकतर बालक अपने शिक्षकों के लिये आदर के भाव रखते हैं।
102. कक्षा में कानाफूसी को सहन नहीं करना चाहिये।
103. शर्मिले बालकों को विशेषकर कविता पाठ करते समय खड़ा करना चाहिये।
104. अध्यापकों को चरित्र सम्बन्धी समस्याओं पर जितना ध्यान वे देते हैं उससे अधिक गम्भीरता से ध्यान देना चाहिये।
105. अध्यापक को कभी भी कक्षा को स्वयं अपनी व्यवस्था करने के लिये नहीं छोड़ना चाहिये।
106. जितना काम करने का वेतन उसे दिया जाता है उससे अधिक कार्य करने की आशा अध्यापक से नहीं की जानी चाहिये।
107. अध्यापक को इतना क्रुद्ध करने वाली चीज और कोई नहीं होती जितना की उसके कुछ शिष्य।
108. प्रायः असफलता के कारणों में से एक कारण परिश्रम व निर्दिष्टता का अभाव होता है।
109 आजकल युवक अत्याधिक ओच्छे (Frivolaus) होते हैं।
110. नियमित रूप से अध्यापक अपने शिष्यों के प्रति आवश्यकता से अधिक दयावान होते हैं।
111. मन्दगति बालक किसी की भी सहनशीलता को समाप्त कर सकते हैं।
112. स्पर्धा के कारण ही वर्गीकरण उपयोगी होता है।
113. बालक शिक्षकों को परेशान (Annoy) करना पसन्द करते हैं।
114. बालक साधारणतः अपने आप सोचना नहीं चाहते।
115. कक्षा के नियम और कानून अटूट माने जाने चाहिये।
116. अधिकतर बालकों का समय आराम से बीतता है और वे वास्तविक काम करना नहीं सीखते।
117. बालक इतने पसंद करने योग्य होते हैं कि उनकी कमियां साधारणतः क्षमा करनी चाहिये।
118. अश्लील बातें लिखने वाले बालक को कठिन दण्ड दिया जाना चाहिये।
119. शिक्षक बहुत कम अवसरों पर बालकों को वास्तविक रूप में आनन्ददायक पाता है।
120. साधारणतः पाठशाला का काम करने का सर्वोच्च ढंग एक ही होता है जिसका अनुकरण सब बालकों को करना चाहिये।
121 स्कूल कार्यो को बालकों की रूचियों पर आधारित करना व्यावहारिक नहीं है।
122. यह समझना बहुत कठिन हैं कि कुछ बालक प्रायः स्कूल खुलने के समय से बहुत पहले ही स्कूल में आना क्यों पसन्द करते हैं।

123. जो बालक स्कूल के स्तर के अनुसार न चल सकें, उन्हें हटा देना चाहिये।
124. बालक साधारणत: जरूरत से ज्यादा जिज्ञासु होते हैं।
125. कभी-कभी बालकों को दिये गये वचनों का उल्लघंन करना आवश्यक होता है।
126. आजकल बालकों को आवश्यकता से अधिक स्वतन्त्रता दी जाती है।
127. अध्यापक को लगभग हर प्रकार के बालक के साथ काम करने योग्य होना चाहिये।
128 बालक इतने परिपक्व नहीं होते कि स्वयं ही अपने लिये निर्णय कर सकें।
129. मुंह से नाखून चबाने वाले बालक को लज्जित करना चाहिये।
130. यदि उनको अवसर दिया जाये तो बालक स्वयं सोचेंगे।
131. कुछ बालकों का अत्यधिक संवेदनशील होने का कोई कारण नहीं होता।
132. बालकों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।
133. बालकों को उन पर लगाये गये नियन्त्रणों का कारण बताना चाहिये।
134. अधिकतर बालकों को सीखने की रूचि नहीं होती।
135. साधारणत: कठिन व अरोचक विषय ही बालकों के लिये सबसे अधिक लाभदायक होते है।
136. बालक को सदैव इस बात का पूरा ज्ञान होना चाहिये कि उससे क्या आशा की जाती है।
137. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त क्रियाओं में लड़के-लड़कियों का मिलना आवश्यकता से अधिक होता है।
138. हकलाने वाले बालक को सस्वर वाचन का अवसर अधिक दिया जाना चाहिये।
139. अध्यापक को उस बालक के रोगों पर ध्यान नहीं देना चाहिये जो हमेशा काल्पनिक बीमारियाँ बताता रहता है।
140. बालक के ऐसे व्यवहार पर, जैसे अश्लील बातें लिखना अध्यापक प्राय: आवश्यकता से अधिक गम्भीरता से ध्यान देते हैं।
141. अध्यापकों को यह आशा नहीं करनी चाहिए कि छात्र उन्हें पसन्द करें।
142. बालक बहुत से प्रौढों की अपेक्षा अधिक शिष्ट कार्य करते है।
143. आवेशयुक्त (Aggressive) बालकों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।
144. अध्यापक और शिष्य दोनों ही त्रुटि कर सकते हैं।
145. आजकल के नवयुवक उतने ही अच्छे हैं जितने कि पिछली पीढ़ी के नवयुवक थे।
146. अनुशासन रखना इतनी कठिन समस्या नहीं है जितनी कि बहुत से अध्यापक मानते हैं।
147. शिष्य को अपने शिक्षकों से स्पष्ट रूप से असहमत होने का अधिकार है।
148. अधिकतर शिष्यों द्वारा दुर्व्यवहार अध्यापक को चिढ़ाने के लिये किया जाता है।
149. यह आशा नहीं करनी चाहिए कि बालक स्कूल में आनन्द लें।
150. बालकों के मूल्यांकन (Appriasal) में विद्वता (Scholarship) से प्रयत्न (Effort) को पृथक नहीं समझना चाहिए।

SOMETHING ABOUT MYSELF (SAM)
(कुछ अपने बारे में)

आपके लिए नीचे कथनों एक सूची दी हुई है। आपको उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ना है और यह निर्णय करना है कि वे आप पर लागू होते है या नहीं। यदि कोई कथन आप पर लागू होता है तो उत्तरतालिका में (अ) को घेरा बना दीजिए अगर कोई कथन आप पर लागू नहीं होता है तो उत्तरतालिका में (ब) को घेरा बना दीजिए।

1. जब मैं कोई विचार करता हूँ तो उसे ज्यादा रोचक बनाने के लिए उसमें कुछ जोड़ना पसन्द करता हूं।
2. मैं विभिन्न प्रकार से प्रतिभावान (गुणवान) हूँ।
3. मुझे अनुमान लगाना और उनकी जाँच करना पसन्द है, गलत सिद्ध होने पर मैं नए अनुमान लेता हूँ।
4. मैं एक कल्पनाशील, स्वप्न देखने वाला या भविष्य आकने वाला व्यक्ति हूँ।
5. दूसरे लोग मुझे सनकी (झक्की) समझते हैं।
6. मैंने एक नृत्य, गाने के गीत या बाजे पर बजाने के गीतों की रचना की है।
7. मैंने लकडी पर चित्र, रेखाचित्र. मूर्तिकला तथा डिजाइन बनाई है। मैंने बर्तनों के अथवा सृजनात्मक छायाचित्र (फोटोग्राफ) के नमूने अपनी डिजाइन के अनुसार बनाये है।
8. मेरी कृतिया (बनाई गई चीजें) प्रदर्शनियों में रखी गई थी या उन पर मुझे इनाम मिला था।
9. मैं किसी विशेष ढग से बनी हुई वस्तु को विभिन्न भागों में तोड़ना चाहता हूं और उन भागों को पुनः इस ढग से जोड़ना चाहता हूँ कि किसी दूसरे ने उस ढंग को कभी नही सोचा हो।
10. मैने प्रयोगों की योजना बनाई है या उन्हें पूरा किया है।
11. जब मेरे सामने कोई समस्या आती है, तो मैं मौलिक (Origional) विचारों के बारे में सोचने का प्रयत्न करता हूँ।
12. मैंने प्रमुख पात्र का अभिनय किया है, नाटक अथवा संगीत संध्या का निर्माण अथवा निर्देशन किया है।
13. दूसरों के मुकाबले मुझे अपनी (Talent) मे विश्वास है।
14. जरूरत पड़ने पर मैं खतरा मोल लेने से नही डरता हूँ।
15. मैं जिस काम को करता हूँ उसमें इतनी रुचि लेता हूँ कि मुझे मालूम नही रहता है कि मेरे चारों ओर क्या हो रहा है ?
16. मैंने नियमों, संगठनों व तौर तरीकों में मुख्य परिवर्तन लाने का कार्य किया है या सहायक बना हूँ।
17. दूसरे जो कुछ कहते हैं। वह सत्य ही है यह मैं नहीं मानता हूँ।
18. किसी विचार को अधिक सरलता से समझने के लिये मैं उसका सम्बन्ध उससे जोड़ने का प्रयास करता हूं जो देखा जा सके, छुआ जा सके, और सुना जा सके।
19. विशेषकर जब मैं नई वस्तु बनाने का प्रयास करता हूं तो मैं अपनी विचारधारा को भावनाओं के साथ मिलाना पसन्द करता हूँ।
20. मैं एक साधन सम्पन्न (Resourceful) व्यक्ति हूँ।
21. मैंने एक नवीन कृति का आविष्कार किया है।
22. मैं किसी समस्या के कारण का पता लगा सकता हूँ और उसकी व्याख्या कर सकता हूँ।

23. मैंने नाच, गाने या बाजे (वाद्ययंत्र) में नये साधन प्रदान किये हैं।

24. मैने नाटक या संगीत संध्या के लिये रंगमंच (स्टेज) पर रोशनी (लाइटिंग) रूपरेखा तैयार की है।

25. मैं विभिन्न वस्तुओं या विचारों को जिन्हें कभी मिलाकर पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है, उन्हें मौलिक रूप देना पसन्द करता हूँ।

26. मै बिना थके लम्बे समय तक काम कर सकता हूँ।

27. हँसने या किसी वस्तु के विनोदात्मक (Funny) पक्ष को देखने की क्षमता से मुझे प्रतिदिन की समस्याओं को झेलने में सहायता मिलती है।

28. सुन्दर वस्तुएँ मुझे प्रसन्न करती है।

29. मैं नई विधियो से भोजन बनाने का प्रयोग करता हूँ और नई विधियाँ देता हूँ।

30. मैं समस्याओं का हल अचानक समझ लेता हूँ।

31. मैंने कहानी, कविता, नाटक या कल्पना पूर्ण लेख लिखा है।

32. यद्यपि वर्तमान उद्देश्य मुझे अधिक आकर्षक लगते है फिर भी मैं दूर के लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिये प्रयत्न करना पसन्द करता हूँ।

33. दूसरों के साथ मेरे सम्बन्ध वास्तविक व सार्थक (उद्देश्य पूर्ण) होने चाहिये।

34. अनजानी बातो को जानने से मैं रोमांचित होता हूँ।

35. मै दूसरों की रचनात्मक ढग से आलोचना करता हूँ।

36. मुझे प्रश्न पूछने की तीव्र लालसा रहती है।

37. मैं दूसरों के विचारों में रुचि रखता हूँ तथा उनके विचारों को खुले दिल से स्वीकार करता हूँ।

38. भले ही मैं हमेशा सही न भी होऊँ तो भी मैं अपने बारे में सोचता हूँ।

39. मैं समूह में कार्य करने की अपेक्षा अकेला ही कार्य करना पसंद करता हूँ।

40. मैं अपने निर्णय लेने में विलम्ब कर सकता हूँ जब तक मुझे पर्याप्त ज्ञान न हों।

41. ज्ञान तथा स्थितियों मे कमियों अथवा रिक्त स्थानों को मैं आसानी से ढूंढ लेता हूँ।

42. जब नई वस्तु के बनाने का प्रयास करता हूं तो बच्चों की तरह सरल अथवा प्रमोद पूर्ण (Playful) होने में मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं हैं।

43. मुझे दूसरे लोग जिस ढंग से कार्य करने के लिए कहते हैं उस ढंग से कार्य करना पसंद नहीं है।

44. मैं स्वयं कार्य प्रारम्भ करता हूँ तथा अपनी रुचि बनाये रखने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहता हूँ।

45. मैं ऐसे कार्य करना पसन्द करता हूँ जिनको दूसरे लोग कठिन और चुनौति पूर्ण (Challenging) समझते है।

46. श्रेष्ठ बनने की इच्छा मुझे निर्माता (उत्पादक) बना देती है।

47. मैंने एक नया सूत्र (Formula) निकाला है।

48. मैने संगठनात्मक (Organisational) योग्यता का परिचय दिया है।

49. नाटक या संगीत संध्या के लिए मैंने कुछ दृश्यों अथवा साज-सज्जा को बनाया है।

50. नवीन ज्ञान मिलने पर मै अपने निर्णयों पर दुबारा विचार करने के लिए तैयार रहता हूँ।

—:o:—